

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS  
(DEPARTMENT OF SPORTS)  
**RAJYA SABHA**  
**STARRED QUESTION NO. 228**  
ANSWERD ON- 24/03/2022

**HOSTING OF OLYMPIC GAMES-2036**

\*228 Shri Sanjay Raut:

Will the Minister of Youth Affairs and Sports be pleased to state:

- (a) whether Government is seriously considering to host Olympic Games-2036 in the country;
- (b) if so, the details thereof indicating whether Government has approached the members of International Olympic Committee (IOC) to strengthen the Olympic bid for the country; and
- (c) the details of steps taken/proposed to be taken by Government for the development of sports infrastructure and required facilities to organize Olympic Games-2036 in the country?

**ANSWER**

THE MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

(SHRI ANURAG SINGH THAKUR)

(a) - (c): A statement is laid on the Table of the House.

\*\*\*\*\*

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) to (c) OF THE RAJYA SABHA  
STARRED QUESTION NO. 228 FOR REPLY ON 24/03/2022 ASKED BY SHRI SANJAY  
RAUT REGARDING HOSTING OF OLYMPIC GAMES-2036

(a) & (b) Bidding to host multi-sports international events, including Olympics in India is the responsibility of Indian Olympic Association (IOA). IOA has informed that it has not made any official request to the International Olympic Committee to bid for Olympics 2036.

(c) In view of the above, the question does not arise.

\*\*\*\*\*

भारत सरकार  
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय  
(खेल विभाग)

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 228

उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2022

3 चैत्र, 1944 (शक)

### ओलम्पिक खेल-2036 की मेजबानी

**228. श्री संजय राउत:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ओलम्पिक खेल-2036 की देश में मेजबानी करने पर गम्भीरता से विचार कर रही है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने देश में ओलम्पिक खेलों के आयोजन हेतु अपने दावे को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के सदस्यों से सम्पर्क किया है; और

(ग) ओलम्पिक खेल-2036 का देश में आयोजन करने के लिए खेल अवसंरचना और आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या उठाए जाने के लिए प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है?

### उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री  
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

\*\*\*\*\*

ओलम्पिक खेल-2036 की मेजबानी के संबंध में श्री संजय राउत द्वारा दिनांक 24.03.2022 के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 228 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण ।

(क) और (ख) : ओलंपिक खेलों सहित भारत में बहु-अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं की मेजबानी के लिए बोली लगाने का उत्तरदायित्व भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) का है । आईओए ने सूचित किया है कि उसने ओलंपिक्स, 2036 के लिए बोली लगाने हेतु अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को कोई आधिकारिक अनुरोध नहीं किया है ।

(ग) उपर्युक्त के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता ।

\*\*\*\*\*

**श्री नीरज डांगी :** माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि देश की आबादी करोड़ों में है और लाखों नौजवान, जो ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं, वे अपना भविष्य खेलों में ढूँढ़ते हैं, ऐसे में सरकार के पास क्या ग्रामीण युवाओं का ओलम्पिक खेलों में सेलेक्शन न होने का कोई ब्योरा है? यदि हाँ, तो ग्रामीण युवाओं में पाई गई ओलम्पिक स्तर की कमियों को सरकार द्वारा किस प्रकार से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं?

**श्री निसिथ प्रामाणिक :** माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सांसद जी और पूरे सदन को यह बताना चाहूंगा कि अगर हम टोक्यो ओलम्पिक 2020-को देखें, तो यह हमारे लिए एक ऐसा स्वर्णिम मुहूर्त था, जब ओलम्पिक में भारत को सबसे ज्यादा सफलता मिली और भारत सबसे ज्यादा मेडल जीतकर लाया। अगर हम थोड़ा ध्यान से देखें, तो हम पाएँगे कि इस ओलम्पिक में सबसे ज्यादा मेडल लाने वाले सारे खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्र से ही आते हैं। चाहे वह मीराबाई चानू जी हों, भारत के गोल्डन ब्याय नीरज चोपड़ा हों या लवलीन हों, उनमें से ज्यादातर खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्र से ही आते हैं। मैं माननीय सांसद जी को यह भी बताना चाहूंगा कि पूरे भारत में खेल क्षेत्र के विकास के लिए वर्ष 2024 तक भारत सरकार ने खेल मंत्रालय के माध्यम से 1,000 'खेलो इंडिया' सेंटर्स भारत के हर एक क्षेत्र में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है और हम उस लक्ष्य की ओर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। अभी तक लगभग 2,397 करोड़ रुपये 289 नये प्रोजेक्ट्स में लगाए गए हैं और उनमें से काफी प्रोजेक्ट्स आगे बढ़ गए हैं। हम आशा करते हैं कि 1,000 'खेलो इंडिया' सेंटर्स स्थापित करने का जो लक्ष्य है, उसे भी हम लोग वर्ष 2024 से पहले पूरा कर लेंगे।

SHRI ABIR RANJAN BISWAS: Sir, firstly, I would like to know about the cities which have been shortlisted for India's bid for hosting the 2036 Olympics. And on what criteria have these cities been shortlisted?

**श्री निसिथ प्रामाणिक :** आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि ओलम्पिक का जो सेलेक्शन होता है कि वह कौन से देश में आयोजित होगा और उसकी मेज़बानी का जो प्रस्ताव है, वह ओलम्पिक संघ के माध्यम से दिया जाता है। अभी मुम्बई में जो IOC का सेशन होने जा रहा है, वह बहुत सारे मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित हो रहा है। ऐसा नहीं है कि वर्ष 2036 में जो ओलम्पिक होगा, यह सिर्फ उसकी bidding के प्रस्ताव के लिए आयोजित हो रहा है। ऐसा कुछ नहीं है। इसकी संभावना कम है, क्योंकि अगर आम तौर पर देखा जाए, तो ओलम्पिक की bidding या मेज़बानी करने का जो प्रस्ताव आता है, वह 8 से 10 साल पहले ही होता है, नहीं तो इसका बजट बाद में डबल हो जाता है, जैसा कि ग्रीस में हुआ था।

जो बजट तय हुआ था, वह बाद में डबल हो गया था - लगभग 5 बिलियन डॉलर का बजट फिक्स हुआ था, वह बाद में 11 बिलियन डॉलर हो गया था। इसलिए ऐसा प्रावधान किया गया है कि 8 से 10 साल पहले ही इसकी चर्चा होगी। अभी यह विषय नहीं है, इसलिए मैं इसके बारे में भी कुछ कहना नहीं चाहता हूँ।

SHRI PRAFUL PATEL: Mr. Deputy Chairman, Sir, I am also associated with one of the Olympics sport, that is, football. I head the All India Football Federation. I am also on the Board of FIFA. Many a time, in the international forum, when hosting of major tournaments is discussed, like, we are talking about bidding for the 2036 Olympics, of course, we should aspire and we should, but my own understanding is that as yet, sports infrastructure in the country, we have not been really able to showcase it on a really massive global scale. We have hosted the Commonwealth Games, and we have hosted the Asian Games. It is very good; laudable. We are doing much better in sports than before. But, my point here is, the example is the SAI centre. We have so many SAI centres across the country. Some have been made very beautifully, futuristically, state-of-the-art. But, unfortunately, maintaining that infrastructure is a big challenge.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please ask the question.

SHRI PRAFUL PATEL: I don't blame the Government. I only wish that Government looks at two aspects. One is developing sports infrastructure for all the sports in the country holistically and uniformly. The second most important thing is that the maintenance of these centres of excellence which have been created with so much of our money, they should be put into some kind of, as you know, involve industry, public-private partnership so that, at least, the maintenance and upkeep of those built infrastructure can be done.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you, Praful Patelji.

SHRI PRAFUL PATEL: And, that will help us to host major tournaments like bidding for the 2036 Olympics because I know how the international community is viewing at all these aspects, especially, when India bids for some major tournaments.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Both are good suggestions. Mr. Minister, please respond.

**श्री निसिथ प्रामाणिक :** महोदय, माननीय सदस्य को खेल के विषय में बहुत जानकारी है और उन्होंने सलाह भी दी है, इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को धन्यवाद देना चाहूंगा। मैं उनकी जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि हम लोगों का काम ऑलरेडी पीपीपी मॉडल में शुरू हो गया है। ऐसे बहुत सारे institutions और academies हैं, जिनके साथ हम काम कर रहे हैं। महोदय, 'खेलो इंडिया' स्कीम के माध्यम से बहुत सारी academies को मान्यता भी दी गई है और बहुत सारे PSUs से बात चल रही है कि कैसे हम इनको और ज्यादा modernise कर

सकें, develop कर सकें और infrastructure को भी कैसे update कर सकें, इसके बारे में प्रावधान हो गया है।

**श्री प्रफुल्ल पटेल :** पीएसयूज को छोड़कर भी सोचिए।

**श्री निसिथ प्रामाणिक :** महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी बताना चाहूंगा कि ओलम्पिक के लिए जिस infrastructure की ज़रूरत होती है, वह भारत में है। काफी cities में infrastructure को develop किया गया है, जैसे अहमदाबाद का Sardar Vallabhbhai Patel Sports Enclave है, वहां एक छत के नीचे बहुत सारे events एक साथ हो सकते हैं। नारायणपुरा में भी लगभग 584 करोड़ रुपये की धनराशि से आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। लगभग सभी SAI centres और training institutes को develop किया जा रहा है। हम लोग स्पोर्ट्स में injury management में काफी सुधार लाए हैं, हमने उनमें development किया है। महोदय Target Olympic Podium Scheme (TOPS) के माध्यम से ज़रूरतमंद खिलाड़ियों को, चाहे उन्हें equipments की ज़रूरत हो, foreign coaches की training हो या अच्छे physiotherapist की ज़रूरत हो, उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं।

महोदय, मैं एक छोटी सी घटना का जिक्र करना चाहूंगा, क्योंकि यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है, तो सहज रूप से मैं यह बताना चाहूंगा कि स्पोर्ट्स में खिलाड़ियों के लिए injury एक बहुत बड़ा obstruction होता है। महोदय, भारत की जो सिल्वर गर्ल मीराबाई चानू हैं, उनको प्रैक्टिस के समय में injury हो गई थी। सर, TOPS (Target Olympic Podium Scheme) वर्ष 2014 के बाद बनाई गई। उस स्कीम के जरिए 24 घंटे के अंदर decision लिया गया और मीराबाई चानू जी को अमरीका भेजा गया। वहां जाकर उनका अच्छा treatment हुआ और बाद में Olympics में मेडल लाकर भारत का नाम भी उज्ज्वल किया। मैं बोलना चाहूंगा कि 2014 के बाद से माननीय प्रधान मंत्री जी की दूरदृष्टि की वजह से खेल क्षेत्र में परिवर्तन आया है, जिसकी वजह से वह आगे बढ़ता जा रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN :Thank you. Now Question No. 229.